सांध्य दैनिक

4PM

विश्व एक व्यायामशाला है जहां हम खुद को मजबूत बनाने के लिए आते हैं।
-स्वामी विवेकानंद

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 7 ● अंकः 272 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 9 नवम्बर, 2021

25 नवंबर को कानपुर आएंगे... 8 | यूपी चुनाव : रामअचल के सहारे... 3 | बच्चों के यूनिफार्म की होगी निगरानी... 7

लखीमपुर कांड पर नया खुलासा

आशीष और अंकित की गन से चली थीं गोलियां

विपक्ष ने सरकार पर बोला हमला

- केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय मिश्रा का बेटा आशीष है मुख्य आरोपी
- एफएसएल की रिपोर्ट से हुए खुलासे से मचा हड़कंप
- विपक्ष ने कहा, आरोपी को बचाने की खुल गयी पोल इस्तीफा दें मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर हिंसा मामले में फोरेंसिक लैब की रिपोर्ट के खुलासे से हड़कंप मच गया है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे और लखीमपुर हिंसा के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा और उसके करीबी अंकित दास के लाइसेंसी असलहे की बैलेस्टिक रिपोर्ट में फायरिंग की पुष्टि हुई है। साफ है कि तिकुनिया में हिंसा के दौरान लाइसेंसी असलहे से फायरिंग भी की गई थी। इस खुलासे के बाद विपक्ष ने प्रदेश व केंद्र की भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए केंद्रीय गृहराज्य मंत्री से इस्तीफे और अपराध छिपाने की कोशिश करने के लिए प्रदेश सरकार को बर्खास्त करने की मांग की है।

लखीमपुर हिंसा मामले में किसानों ने पुलिस अधिकारियों के सामने फायरिंग करने का मामला उठाया था। सियासी दलों द्वारा मामले पर सरकार को घेरने के बाद इसकी जांच के लिए लखीमपुर पुलिस ने अंकित दास की रिपीटर गन, पिस्टल और आशीष मिश्रा की राइफल और रिवॉल्वर को जब्त किया था और चारों असलहों की एफएसएल रिपोर्ट मांगी गई थी। रिपोर्ट में फायरिंग की पुष्टि हुई है। एफएसएल रिपोर्ट में साफ हो गया है कि आशीष मिश्रा के लाइसेंसी असलहे से फायरिंग की गई थी, लेकिन अभी साफ नहीं हो पाया है कि फायरिंग राइफल से हुई थी या रिवॉल्वर से। फिलहाल फोरेंसिक लैब की रिपोर्ट के बाद अब आशीष मिश्रा और अंकित दास की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। फिलहाल दोनों जेल में बंद हैं। वहीं किसानों को कुचलने के इस मामले ने काफी तूल पकड़ा और मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने भी सुनवाई के दौरान साफ-साफ कहा है कि उसे मामले की जांच कर रही एसआईटी टीम पर भरोसा नहीं है इसलिए जांच की निगरानी के लिए रिटायर्ड जज की नियुक्ति जरूरी है। साथ ही कहा था कि जांच दल खास आरोपी के बचाव में सबूत जुटा रहा है।

क्या है पूरा मामला

तीन अक्टूबर को लखीमपुर खीरी के तिकुनिया में किसानों का एक समूह उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की यात्रा के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा था, तभी तीन गाड़ियों के काफिले ने किसानों को कुचल दिया। इस हादसे में चार किसानों और एक पत्रकार की मौके पर मौत हो गई थी। गुस्साई भीड़ ने तीन भाजपा कार्यकर्ताओं को पीट-पीटकर मार डाला था। आरोप है कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा की मौजूदगी में गाड़ियों ने किसानों को कुचला था। आरोप है कि भाजपा नेताओं की ओर से फायरिंग भी की गई थी।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

"किसान शुरू से कह रहे थे कि एक किसान की मौत गोली लगने से हुई है लेकिन सरकार मामले की लीपापोती करने और मंत्री के बेटे को बचाने में अभी भी जुटी है। सुप्रीम कोर्ट भी आरोपियों को बचाने की कोशिश पर सवाल उठा चुका है। किसानों की हत्याओं पर सरकार को जवाब देना चाहिए।

सुनील सिंह साजन, एमएलसी, सपा

"कांग्रेस शुरू से इस मामले में आशीष मिश्रा को दोषी बता रही है लेकिन प्रदेश सरकार उसे बचाने की जीतोड़ कोशिश करती रही। अब लैब की रिपोर्ट से भी पता चला है कि किसानों पर गोली चलायी गयी थी। सरकार को इसका जवाब देना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में न्याय की उम्मीद है।

दीपक सिंह, एमएलसी, कांग्रेस

"हजारों प्रत्यक्षदर्शियों के बीच अंजाम दिए गए इस वीभत्स हत्याकांड में पहले दिन से ही भाजपा नेता के बेटे का हाथ स्पष्ट था लेकिन यूपी सरकार की पूरी मशीनरी ने हत्यारों को बचाने को जीजान एक कर दिया। फोरेंसिक जांच से अब ये सबूत के साथ स्पष्ट हो गया है कि हत्या किसने की थी। अब तत्काल इस पर कार्रवाई करते हुए हत्यारों को अंजाम तक पहुंचाया जाना चाहिए।

वैभव माहेश्वरी, प्रवक्ता, आप

"केंद्रीय गृहराज्य मंत्री के पुत्र आशीष मिश्रा के खिलाफ हत्या की गंभीर धाराओं पर मुकदमा दर्ज करना चाहिए। साथ ही केंद्रीय गृहराज्य मंत्री को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। अपराध को छिपाने के लिए प्रदेश सरकार को तत्काल बर्खास्त करना चाहिए।

अनुपम मिश्रा, राष्ट्रीय संयोजक, टीम आरएलडी

नोटबंदी से जनता को नहीं पूंजीपतियों को पहुंचाया गया फायदा : अखिलेश

किसान, नौजवान और व्यापारी कर रहे हैं आत्महत्या

प्रदेश में बढ़ा भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था ध्वस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज फिर केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा आज तक यह नहीं बता सकी कि नोटबंदी के फायदे क्या हुए। भाजपा ने कहा था भ्रष्टाचार खत्म हो जाएगा लेकिन भ्रष्टाचार बढ़ा है। यूपी में इसने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। काला धन कहां वापस आया?

उन्होंने कहा कि भाजपा ने जनता को परेशान करने के लिए जानबूझकर नोटबंदी की। रूपया काला सफेद नहीं होता हमारा लेन-देन काला-सफेद होता है। आज अर्थव्यवस्था के जो हालात हैं उसे भाजपा सरकार ने पैदा किया है। जब तक भाजपा सरकार में है न्याय की उम्मीद नहीं की जा सकती। तीन इंजन सरकार ने कानून व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया है। यूपी को बर्बाद करने का काम भाजपा ने किया है। व्यापार चौपट हो चुका है। व्यापारी, नौजवान और किसान आत्महत्या कर रहे हैं। नोटबंदी से जनता को नहीं पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाया गया। भाजपा सरकार बताए कि कितने लोगों को नौकरी दी। सुप्रीम कोर्ट भी कानून व्यवस्था पर सवाल उठा चुका है।

खजांची का मनाया जन्मदिन

नोटबंदी के दौरान जन्म लेने वाले खजांची का जन्मदिन मनाया गया और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस मौके पर उसे जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

बसपा के कई नेता सपा में शामिल

आज हरिओम उपाध्याय भाजपा छोड़कर सपा में शामिल हुए। दिव्या गंगवार, चौधरी प्रदीप सिंह पटेल, रविशंकर गंगवार, वीरेंद्र कुमार गंगवार बसपा छोड़कर साइकिल पर सवार हुए।

यूपी में पहले से ज्यादा सीटें जीतेगी भाजपा : धर्मेंद्र प्रधान

» केंद्रीय मंत्री बोले, पीएम मोदी-योगी के प्रति लोगों में बढ़ा भरोसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय शिक्षा मंत्री और भाजपा के यूपी चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और सीएम योगी पर लोगों का भरोसा बढ़ा है। उन्होंने दावा किया कि यूपी में वर्ष 2017 में हुए चुनाव के मुकाबले भाजपा इस बार ज्यादा सीटें जीतेगी, क्योंकि भाजपा सरकार ने प्रदेश का विकास किया है। यूपी अब विकसित राज्य है। यहां कानून व्यवस्था में भी सुधार हुआ है।

प्रयागराज में केपी कॉलेज परिसर में भाजपा काशी प्रांत के पांच जिलों के मंडल पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करने के पूर्व संवाददाताओं से मुखातिब धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था की अन्य राज्य मिसाल देते हैं। कोरोना के दौरान यूपी सरकार का कुशल प्रबंधन रहा। अर्थव्यवस्था भी दोबारा पटरी पर आ गई है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी की मौजूदगी में धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि मोदी और योगी सरकार के तमाम विकास कार्य ही हमारे प्लस प्वाइंट हैं। इस आधार पर भाजपा पिछली बार से ज्यादा सीटें अगले वर्ष जीतने जा रही है। निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद को लेकर पूछे गए सवाल पर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि वह एनडीए के वरिष्ठ नेता हैं। कहा कि सर्किट हाउस में उनसे मुलाकात हुई है। इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि निषाद पार्टी एनडीए का ही हिस्सा है। संजय निषाद से भाजपा के अच्छे रिश्ते हैं। भाजपा उनके साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रयागराज में जल्द ही अमित शाह का आगमन होगा। वह आने वाले दिनों में मछुआ प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। यह कार्यक्रम एनडीए की ओर से होगा। इसमें भाजपा के साथ निषाद पार्टी, अपना दल एवं एनडीए के अन्य घटक दल के नेता मौजूद रहेंगे।

अबकी बार 300 पार सीटें जीतकर बनेगी भाजपा सरकार

भगवान श्रीराम की जन्मभूमि से जिस कार्य की शुरूआत की जाती है उसमें निश्चय ही सफलता प्राप्त होती है। इस बार रिकार्ड सदस्यता करा कर आने वाले विधानसभा चुनाव में 300 के पार सीटें जीत कर पुनः भाजपा की सरकार बनेगी। ये बातें केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कही। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान से चुनावी कैंपेन की शुरुआत हो चुकी है। चुनाव के पहले मेरा परिवार भाजपा परिवार अभियान से डोर-टू-डोर संपर्क किया जाएगा। सभी जनप्रतिनिधि व भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी प्रत्येक दिन का लक्ष्य बनाएं तथा रोज स्वयं इसकी समीक्षा करें। कुल चार करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जब तक आप बूथ नहीं जीतेंगे तब तक आप नेता नहीं है। पन्ना प्रमुख से लेकर सभी पदाधिकारी लोगों से संपर्क करें।

यूपी में गरीब विद्यार्थियों के साथ सरकार कर रही मजाक : संजय सिंह

» बच्चों को यूनिफार्म, बैग व स्वेटर खरीदने को आम आदमी पार्टी ने यूपी के शिक्षा मंत्री को भेजा 1100 रुपए का चेक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी ने दो यूनिफार्म, बैग, स्वेटर, जूता और मोजा खरीदने के लिए परिषदीय स्कूलों के विद्यार्थियों के अभिभावकों के खाते में भेजी गई 1100 रुपए की धनराशि पर राज्य सरकार को कठघरे में खड़ा किया। आप के यूपी प्रभारी व राज्य सभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि यह धनराशि नाकाफी है।

उन्होंने कहा कि आप की ओर से बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सतीश चंद्र द्विवेदी को 1100 रुपए का चेक भेजा जा रहा है, वह खुद इतनी रकम से यह सब खरीदकर दिखाएं। राजधानी लखनऊ में पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में राज्य सभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि यूपी में गरीब विद्यार्थियों के साथ मजाक किया जा रहा है। उन्होंने यह धनराशि बढ़ाकर तीन हजार रुपए किए जाने की मांग की। वहीं केंद्र सरकार से पेट्रोल व डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने की मांग की। संजय सिंह ने कहा कि पेट्रोल व डीजल के नाम पर देश की जनता से 23 लाख करोड़ रुपये वसूले गए हैं। अगर जनता महंगाई से मुक्ति चाहती है, तो फिर वह अगले साल होने वाले विधान सभा चुनाव में भाजपा की जमानत जब्त कराए। संजय सिंह ने मोदी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार में आते ही पेट्रोल डीजल की कीमतों से केंद्र का नियंत्रण समाप्त करके यह व्यवस्था बनाई गई थी कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम घटने बढ़ने के सापेक्ष पेट्रोल डीजल के मूल्य निर्धारित होंगे। इसके बाद भी मोदी सरकार ने सात साल में एक बार भी देश की जनता को राहत नहीं दी। पीएम मोदी जब सत्ता में आए थे तब कच्चे तेल की कीमत 105 डालर प्रति बैरल थी जो कि आज 85 डालर प्रति बैरल के आसपास है। सरकार ने जो व्यवस्था बनाई थी सात साल में उस पर एक बार भी अमल नहीं किया। वरना पेट्रोल की कीमत आज 50 रुपये और डीजल 40-45 रुपये के आसपास होता।

भाजपा ने महंगाई से लोगों की खाल नोच ली

संजय सिंह ने भाजपा पर हमला बोलते हुए स्टालिन की कहानी सुनाई। कहा- स्टालिन ने मुर्गे के पंख नोचने के बाद उसके आगे अनाज के दाने फेंके थे तो वह सब भूलकर दाने खाने में लग गया था, उसी तरह से आज भाजपा ने महंगाई से लोगों की खाल नोच ली है और अब चुनाव से पहले पेट्रोल डीजल के दाम कुछ रुपये कम करके जनता के आगे दाना फेंकने का काम कर रही है। संजय सिंह ने कहा कि एक साल में केंद्र सरकार ने पेट्रोल के ऊपर 28 और डीजल के ऊपर करीब 26 रुपये का टैक्स लगाया है। पेट्रोल-डीजल से सरकार ने देश की जनता से 23 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा वसूल लिया है।

राजा दशरथ के पुत्र नहीं थे श्रीराम : संजय निषाद

» यूपी चुनाव से पहले संजय निषाद के बिगड़े बोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के चुनावी मैदान में भगवान श्रीराम की इंट्री हो गई है। भाजपा की ओर से राम मंदिर निर्माण के मामले को कई बार उठाया गया, लेकिन विपक्षी दल इससे बचते रहे। भगवान राम का मसले पर कोई भी बयान विपक्षी पार्टियों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। इसलिए चुनावी मैदान में उतरने वाले तमाम दल इन दिनों रामभक्ति में रमे नजर आ रहे हैं। बसपा प्रमुख मायावती सत्ता में आने पर तेजी से राम मंदिर का निर्माण कराने की बात कर रही हैं।

वहीं निषाद पार्टी के अध्यक्ष ने जो बयान दिया है, उसका फायदा विपक्षी पार्टियां उठाने के मूड में है। संजय निषाद ने भगवान राम पर ऐसा विवादित बयान दिया है, जिस पर सियासी बयानबाजी शुरू हो गई है। दरअसल, डॉ. निषाद ने कहा कि भगवान राम राजा दशरथ के बेटे नहीं थे। उनका जन्म निषाद परिवार में हुआ था। इस बयान के साथ ही उन्होंने बीजेपी से निषादों को आरक्षण देने की भी मांग की है। उनके बयान से निश्चित तौर पर विपक्ष को हमले का मौका मिल गया है। वहीं, भाजपा पूरे मामले पर अभी तक चुप है। विपक्ष इस प्रकार के मामलों को मूल मुद्दों से भटकाने की कोशिश करार दे रहा है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि संजय निषाद भाजपा के एजेंडे का प्रचार कर रहे हैं। अंशु अवस्थी ने कहा कि अब ये राम पर बोल रहे हैं। भाजपा ने जब इलाहाबाद में निषादों की नाव को ध्वस्त कर दिया था, तब ये चुप थे।

हरिद्वार में बसपा के टिकट दावदारों के समर्थक भिड़े

» एक-दूसरे पर फेंकी कुर्सियां, की गालीगलौच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। हरिद्वार में बसपा के नए प्रदेश प्रभारी के स्वागत समारोह में जमकर कुर्सियां चलीं। विधानसभा चुनाव के टिकट के दावेदार के समर्थकों ने एक दूसरे पर जमकर कुर्सियां फेंकी और हाथापाई की। बसपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने मामला शांत कराया। बसपा हाईकमान की ओर से पार्टी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. मेघराज जरावरे को नया प्रदेश प्रभारी बनाकर उत्तराखंड भेजा गया है। बसपा के शिवालालिक नगर स्थित प्रदेश कार्यालय पर दोपहर में डॉ. मेघराज जरावरे का स्वागत समारोह रखा गया था। बताया जा रहा है कि स्वागत कार्यक्रम के दौरान विधानसभा चुनाव के टिकट वितरण को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई, लेकिन स्वागत समारोह का जब समापन होने लगा तो कुछ विधानसभा सीटों से टिकटों के प्रबल दावेदारों और अन्य दावेदारों के समर्थकों में कहासुनी हो गई। टिकट नहीं मिलने से नाखुश लोग गलत टिकट दिए जाने का मुद्दा उठाने लगे। इससे माहौल गर्म हो गया। देखते ही देखते टिकट के दावेदारों के समर्थकों ने वहां रखी कुर्सियों को उठाकर एक दूसरे पर मारना शुरू कर दिया। इस दौरान वरिष्ठ पदाधिकारियों ने मामला शांत किया।

लखीमपुर कांड के अपराधियों को पीएम सीएम का संरक्षण : प्रियंका गांधी

» कांग्रेस महासचिव ने सरकार पर उठाए सवाल बोलीं- अपराधियों को बचाया जा रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश से स्पष्ट हो गया है कि लखीमपुर की घटना में यूपी सरकार की कार्रवाई अपराधियों को सुरक्षित रखने के लिए की जा रही है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री किसको बचा रहे हैं। मुख्य अपराधी के पिता उनके साथ मंच पर मौजूद रहते हैं। कार्यक्रमों में हिस्सा लेते हैं। कार्रवाई ठीक से नहीं हो रही है। सिर्फ अपराधियों को सुरक्षित रखने के लिए हो रही है।

प्रियंका ने सवाल दागा है कि इससे सीएम और पीएम क्या संदेश देना चाहते हैं। प्रदेश सरकार किसानों को कुचलने वालों के साथ खड़ी है। किसानों को कुचलने के मुख्य आरोपी के पिता व गृह राज्यमंत्री को पीएम का संरक्षण मिला हुआ है। उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी से साफ है कि न्याय के लिए स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। एक अन्य ट्वीट में प्रियंका ने सवाल उठाया है कि अगर नोटबंदी सफल थी तो भ्रष्टाचार खत्म क्यों नहीं हुआ। काला धन वापस क्यों नहीं आया। अर्थव्यवस्था कैशलेस क्यों नहीं हुई। आतंकवाद पर चोट क्यों नहीं हुई। महंगाई पर अंकुश क्यों नहीं लगा।

नोटबंदी को लेकर भी घेरा

उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने मोदी सरकार की ओर से पांच साल पहले लागू की गई नोटबंदी को लेकर भी केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने सवाल किए कि अगर नोटबंदी सफल थी तो भ्रष्टाचार खत्म क्यों नहीं हुआ? काला धन वापस क्यों नहीं आया? अर्थव्यवस्था कैशलेस क्यों नहीं हुई? महंगाई पर अंकुश क्यों नहीं लगा? कांग्रेसी नेता बोले कि नोटबंदी इस देश की आम जनता के लिए अभिशाप था। सिर्फ और सिर्फ अपने पूंजीपति मित्रों के फायदे के लिए मोदी ने यह किया था।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

यूपी चुनाव : रामअचल के सहारे राजभर समाज को साधने का प्रयास करेगी समाजवादी पार्टी

» राजभर समुदाय के सभी बड़े नेता अखिलेश यादव के पाले में

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश की सत्ता में वापसी के लिए सोची-समझी और सधी रणनीति के साथ चुनावी मैदान में कदम बढ़ा रहे हैं। सूबे में राजनीतिक दलों से गठजोड़ करने के साथ-साथ अखिलेश यादव अपने राजनीतिक समीकरण को भी दुरुस्त करने में भी जुटे हैं। पूर्वांचल की सियासत में किंगमेकर माने जाने वाले राजभर समुदाय को साधने के लिए समाज के सभी दिग्गज नेताओं को अखिलेश अपने पाले में लाने में कामयाब हो गए हैं।

ऐसे में अब देखना है कि पूर्वांचल में बीजेपी के लिए सपा क्या चुनौती खड़ी करती है? दरअसल, राजभर मतों को साधने के लिए भाजपा ने वर्ष 2017 के विधान सभा चुनाव से पहले सुभासपा को अपने साथ लिया था। सुभासपा के विकल्प के रूप में भाजपा ने सपा से ही आए अनिल राजभर को समाज के चेहरे में रूप में प्रस्तुत किया मगर कैबिनेट मंत्री बनने के बाद भी अनिल राजभर सुभासपा का विकल्प नहीं बन पाए और न ही समाज में अपनी उस तरह से पैठ बना पाए हैं।

राजभर मतों में बिखराव की स्थिति!

सुभासपा के बाद अब बसपा से निकाले गए रामअचल राजभर के सपा में आने के बाद वाराणसी के अलावा सलेमपुर, बलिया, मऊ, गाजीपुर सहित अन्य जिलों में राजभर समाज को सपा की ओर से लाने का प्रयास होगा। दरअसल पूर्वांचल में राजभर वोट 12 से 15 फीसदी है और वर्ष 2014 से पहले तक उसे गैर भाजपा मत माना जाता था मगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फिर सुभासपा से भाजपा के गठबंधन के बाद उसका रुख बदला था। वर्तमान हालात में राजभर मतों में बिखराव की स्थिति तो बन रही थी मगर अब सपा इस बिखराव को हर हाल में रोकने की कोशिश करेगी।

रामअचल की सियासी ताकत

रामअचल राजभर बसपा के संस्थापक सदस्यों में से हैं और कांशीराम के समय से ही पार्टी में जुड़े हुए रहे। रामअचल को बसपा संगठन के शिल्पकार के रूप में जाना जाता है और अकबरपुर से पांच बार के विधायक हैं। बसपा की सभी सरकारों में वह महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री रहे हैं। रामअचल अंबेडकरनगर जिले में राजभर समाज के सबसे बड़े नेता के तौर पर गिने जाते हैं और आसपास के जिलों में अपने समुदाय पर वो मजबूत पकड़ रखते हैं।

सुखदेव राजभर का बेटा साइकिल पर सवार

बसपा के संस्थापक सदस्य रहे सुखदेव राजभर का निधन हो चुका है लेकिन आजमगढ़ की सियासत में उनकी राजनीतिक तूती बोलती थी। राम मंदिर आंदोलन की लहर में पहली बार सुखदेव राजभर विधायक बने तो फिर पलटकर नहीं देखा। बसपा की सभी सरकारों में मंत्री और विधानसभा के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भी संभाली। राजभर अपने अंतिम दिनों में बीएसपी की मौजूदा हालत से व्यथित थे और वे अपने बेटे के राजनीतिक भविष्य को लेकर इतने चिंतित थे कि अखिलेश यादव को पत्र लिखकर अपने बेटे पप्पू राजभर को उनके सुपुर्द करने की बात कही थी।

ओपी राजभर का सपा से गठबंधन

बसपा से अलग होकर राजभर समाज को राजनीतिक विकल्प देने के लिए ओमप्रकाश राजभर ने भारतीय सुहेलदेव समाज पार्टी का गठन किया है। पूर्वांचल की सियासत में 2017 में अपने आपको साबित कर चुके ओपी राजभर ने 2022 के चुनाव में अखिलेश यादव के साथ मिलकर लड़ने का फैसला किया है। बलिया, मऊ, गाजीपुर, बनारस, आजमगढ़ और चंदौली जिले के राजभर समुदाय के बीच ओमप्रकाश राजभर की मजबूत पकड़ मानी जाती है। ऐसे में सपा के साथ गठबंधन कर चुनावी मैदान में उतरने से इन इलाकों में भाजपा के लिए कड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।

सपा में राजभर समाज के दिग्गज नेता

यूपी की सियासत में राजभर समुदाय के ओमप्रकाश राजभर, रामअचल राजभर और सुखदेव राजभर सबसे बड़े नेता के तौर पर जाने जाते हैं, जिनके जरिए बसपा पूर्वांचल की राजनीति में सियासी गुल खिलाती रही है। बसपा में ओबीसी चेहरे के रूप में पहचान बनाने वाले रामअचल राजभर सपा में शामिल हो गए। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर पहले ही सपा के साथ चुनावी गठबंधन की घोषणा कर चुके हैं। इसके अलावा राजभर समाज के सबसे बड़े नेता के रूप में जाने वाले बसपा के संस्थापक सदस्य रहे सुखदेव राजभर भी जीते जी अपने बेटे को अखिलेश यादव के साथ कर गए हैं। बसपा के अंबेडकरनगर लोकसभा प्रभारी और लोकसभा क्षेत्र के अध्यक्ष रहे जगदीश राजभर भी सपा में शामिल हो गए हैं।

अब पश्चिम यूपी पर भाजपा की नजर, योगी ने संभाली कमान

सियासी माहौल बनाने में जुटा प्रदेश नेतृत्व

कैराना से पलायन करने वाले परिवारों से की मुलाकात

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। कृषि कानूनों से नाराज किसानों की नाराजगी के बीच भाजपा की नजर अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर टिक गयी है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की सत्ता में वापसी का जिम्मा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभाल लिया है। पूर्वांचल के सियासी नब्ज की थाह लेने के बाद सीएम योगी पश्चिमी यूपी पहुंच चुके हैं। यहां उन्होंने न केवल शामली जिले के कैराना इलाके का दौरा किया बल्कि विकास योजनाओं की सौगात भी दी। इसके अलावा सीएम योगी ने कैराना से पलायन करके वापस आए परिवारों से भी मुलाकात की।

विधान सभा चुनाव में विपक्ष से दो-दो हाथ करने के लिए भाजपा ने कमर कस ली है। किसान आंदोलन से बिगड़े सियासी समीकरण को दुरुस्त करने की कवायद शुरू हो गयी है। इसके तहत सीएम योगी कैराना पहुंचे। शामली जिले में पीएसी भवन शिलान्यास और आयुष्मान कार्ड, पीएम आवास चाबी वितरण, विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक, स्वीकृति पत्र वितरित किया। इसके अलावा वे कैराना से पहले पलायन कर लौटे परिवारों से मुलाकात की। सीएम योगी पश्चिम यूपी के सियासी समीकरण को दुरुस्त करने के लिए 15 नवंबर तक इसी इलाके में डेरा जमाए रखेंगे। वे पश्चिमी यूपी में जनसभा कर जनता से संवाद बनाने और अपनी सरकार की उपलब्धियां भी गिना रहे हैं। इसके जरिए वे किसान और जाट वोटर्स को भी लुभाएंगे। इसी क्रम में दस नवंबर को मुख्यमंत्री के सहारनपुर और मेरठ में भी कार्यक्रम बनाए गए हैं।

रामपुर को भी सौगात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को रामपुर में 63 करोड़ की 20 परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। यहां विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को लाभांवित किया गया।

पीड़ित परिवारों को मुआवजे का ऐलान

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कैराना में हिंदू परिवारों पर अत्याचार हुए तभी लोग यहां से पलायन करने को मजबूर हुए। अब सरकार की कोशिश है कि लोग अपने पूर्वजों की भूमि पर रहें और अपनी संस्कृति एवं व्यापार को आगे बढ़ाएं। जिला प्रशासन से कैराना के विषय में विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। पीड़ित परिवारों को सरकार मुआवजा भी देगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कुपोषण का बढ़ता ग्राफ और तंत्र

"सवाल यह है कि तमाम सरकारी योजनाओं के बावजूद बच्चे कुपोषण के शिकार क्यों हो रहे हैं? क्या कोरोना के कारण उत्पन्न हुई बेरोजगारी और गरीबी ने कुपोषण को बढ़ा दिया है? क्या केंद्र और राज्य सरकारें कुपोषण से निपटने को लेकर गंभीर नहीं हैं? आखिर कोरोना काल में कल्याणकारी योजनाओं को ठप क्यों कर दिया गया?"

कोरोना काल में देश में कुपोषण की रफ्तार तेजी से बढ़ी है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के मुताबिक भारत में तैंतीस लाख से ज्यादा बच्चे कुपोषित हैं। इनमें आधे से ज्यादा गंभीर रूप से कुपोषित श्रेणी में आते हैं। कुपोषित बच्चों के मामले में महाराष्ट्र, बिहार और गुजरात सबसे ऊपर हैं। पिछले साल के आंकड़ों की तुलना में नवंबर 2020 और 14 अक्टूबर, 2021 के बीच गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की संख्या में 91 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ये संख्या 9.27 लाख से बढ़कर 17.76 लाख हो गई है। सवाल यह है कि तमाम सरकारी योजनाओं के बावजूद बच्चे कुपोषण के शिकार क्यों हो रहे हैं? क्या कोरोना के कारण उत्पन्न हुई बेरोजगारी और गरीबी ने कुपोषण को बढ़ा दिया है? क्या केंद्र और राज्य सरकारें कुपोषण से निपटने को लेकर गंभीर नहीं हैं? आखिर कोरोना काल में कल्याणकारी योजनाओं को ठप क्यों कर दिया गया? क्या कुपोषण को खत्म करने का अभियान बेअसर साबित हो रहा है?

कुपोषण पर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट चौंकाने वाली है। मंत्रालय के मुताबिक 14 अक्टूबर, 2021 तक देश में 17.76 लाख बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित थे और 15.46 लाख बच्चे मध्यम तौर पर कुपोषित हैं। पोषण ट्रैकर ऐप के आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र में कुपोषित बच्चों की संख्या सबसे ज्यादा यानी 6.16 लाख दर्ज की गई है। दूसरे नंबर पर बिहार है जहां 4.75 लाख कुपोषित बच्चे हैं जबकि तीसरे नंबर पर गुजरात है, जहां 3.20 लाख बच्चे कुपोषित हैं। अन्य राज्यों में भी ऐसे बच्चों की संख्या चिंताजनक है। इसकी बड़ी वजह कोरोना महामारी रही है। इसने एक ओर लोगों के रोजी-रोजगार छीने लिए तो दूसरी ओर बच्चों को सरकार की ओर से उपलब्ध कराया जाने वाला पोषण आहार बंद हो गया। स्कूलों में मिलने वाले मिड डे मील का वितरण लंबे समय तक बंद रहा। इससे गरीब बच्चे काफी प्रभावित हुए। अभिभावकों के रोजगार छीन जाने के कारण भी बच्चों को पोषण युक्त आहार नहीं मिल सका। वहीं केंद्र और राज्य सरकारें भी कोरोना काल के दौरान बच्चों को पोषण आहार उपलब्ध कराने के लिए किसी प्रकार की वैकल्पिक योजना नहीं शुरू कर सकीं । यह स्थिति तब है जब कुपोषण से निपटने के लिए केंद्र ने 2018 में पोषण अभियान कार्यक्रम शुरू किया था। जाहिर है कि यदि सरकार देश से कुपोषण का खत्म करना चाहती है तो उसे न केवल ऐसे बच्चों को चिन्हित कर उनका बेहतर इलाज कराना सुनिश्चित करना होगा बल्कि जरूरी पोषण आहार भी उपलब्ध कराने होंगे। यदि हालात पर जल्द काबू नहीं पाया गया तो यह देश के लिए अच्छा नहीं होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

खेत-खलिहानों से उपजे नयी कार्य संस्कृति

सुरेश सेठ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अभी तक इक्कासी दफा अपने देशवासियों से मन की बात कह दी। जब-जब वह अपने मन की बात कहते हैं तो देशवासी बहुत प्रसन्न होते हैं। डेढ़ बरस से अधिक हो गया, देश को कोरोना से प्रकम्पित हुए। मन की बात में कौन-सा देशवासी यह सुनकर हर्षित नहीं होगा कि हमने रिकार्ड समय में बड़े-बड़े देशों को पीछे छोड़कर सौ करोड़ से अधिक लोगों को एक-एक टीका लगा दिया। कोरोना का निरोध तो टीके की दो खुराक लगने के बाद ही पूरी तरह होता है पर इसमें अभी हम पीछे हैं। आंकड़ा शास्त्रियों ने बताया है कि अभी केवल एक-चौथाई जनता को दो खुराक लगी है। तीन-चौथाई जनता को लगनी बाकी है।

सही है प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर ढाई करोड़ टीके लगाकर हमने विश्व में रिकार्ड बना लिया लेकिन उसके बाद टीका लगाने की गति क्यों कम हुई? इसे घटना नहीं चाहिये। धूर्त कोरोना वायरस पल-पल में रूप बदलता है। जो टीका लग रहा है, वह कोरोना प्रतिरोधी टीका है। जरूरत इस भीड़ भरे देश को कोरोना के हर वायरस के रूप को उखाड़ फेंकने वाला टीका ईजाद करने की है। इस दिशा में हमारे कदम अभी आगे बढ़ने हैं। कोरोना की तीसरी लहर को हमारे कोरोना निरोधी टीका अभियान ने रोक तो दिया, अलविदा नहीं कहा इसलिए अपने देश में जीने की शैली और उसके अंदाज को बदलना होगा। मध्य-पूर्व के देशों में चेहरे का नकाब उनके जीवन का अंग है, हमें यही बोझ क्यों लगता है? कोरोना काल के पूर्ण और अपूर्ण अवरोधों से अर्थव्यवस्था खंडित हो गयी। निवेश हतोत्साह हो गया। इस नयी मौद्रिक नीति में भी उदार साख नीति को जारी रखने का हठ है। आयात कम नहीं हो रहे। निर्यात बढ़ नहीं रहे। घाटे का बजट देश का परिचय बन गया है। ऐसे माहौल में देश अजब विरोधाभास को जीने का आदी होता जा रहा है। देश में महंगाई सूचकांक बढ़ रहा है, बढ़ती कीमतों ने आम आदमी का जीवन दुश्वार कर दिया है। तिस पर पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में कटौती के बावजूद आम आदमी की फटी जेब की कूवत से बाहर हो गयी हैं। सकल उत्पादन में रिकार्ड तोड़ गिरावट हो गयी है। वित्त मंत्रालय ने दो आर्थिक बूस्टर दे दिये फिर भी निवेश हतोत्साह क्यों हो रहा और बेकारी दर अपनी चरम सीमा पर क्यों?

अब जब रोजगार बढ़ेगा नहीं, कामगारों का वेतन नहीं बढ़ेगा तो मंडियों में मांग कैसे प्रोत्साहित होगी? देश में तो ऐसी महंगाई पैदा हो गयी कि इसे बढ़ती मांग का सहचर्य नहीं मिला। ऐसे में निवेश प्रेरणा बढ़ेगी तो कैसे? नया निवेश लाभ संभावनाओं पर जीता है। लाभ संभावनायें ऊंची कीमत और अधिक वेतन वाले रोजगार के बढ़ने से पैदा होती हैं। रोजगार बढ़ नहीं रहा। कोरोना ने महानगरों में श्रमिकों की बंधी-बंधाई गृहस्थियां उजाड़ दी हैं। इसका कारण रिकार्ड स्तर पर शहरों में काम-धंधों का बन्द होना है। आंकड़ा शास्त्री बताते हैं कि करोड़ों ऐसे श्रमिक हैं, जिनका आधार देसी और विदेशी महानगरों से खिसक गया था। ये सब लोग अब अपने गांव-घरों के पास छोटे कस्बों और शहरों में अपनी वैकल्पिक जिंदगी तलाश रहे हैं। इसका समाधान वही है, जिसका जिक्र प्रधानमंत्री ने इस बार अपनी मन की बात में किया है, अर्थात गांव-घरों के पास कुटीर, लघु और मध्यम उद्योगों की स्थापना। किताबी रूप से इसके प्रोत्साहन की बहुत-सी बातें पिछले दिनों नेताओं के भाषणों में हुई हैं, लेकिन वास्तव में यह प्रेरणा छोटे उद्यमी को मिलती नजर नहीं आती। आत्मनिर्भरता की दौड़ में देश कम्प्यूटरीकृत हो, डिजिटल हो, स्वचालित हो, इसमें दोष नहीं। लेकिन कैसेउस करोड़ों की तादाद में विस्थापित हो गयी श्रम शक्ति को भी देखना होगा, जिसे इस कार्य व्यवहार का प्रशिक्षण नहीं मिला जो अपने बाजुओं के बल से देश के नवनिर्माण के लिए समर्पित हो जाना चाहती है। रोजगार के नये आंकड़े बताते हैं कि देश के कम्प्यूटरीकृत होते जाने के साथ-साथ वहां निपुण और प्रशिक्षित

कामगारों की कमी हो गयी है लेकिन अपनी मेहनत के बल पर जीने वाले करोड़ों लोग, जिन्हें कोरोना की महामारी ने बेकार कर दिया है, वे तो भूख और गरीबी से जूझ रहे हैं। भूख, बेकारी और गरीबी ने देश में भ्रष्टाचार के नये शिखरों को जन्म दे दिया। वहीं ऐसी शार्टकट संस्कृति पैदा हो रही है जहां संपर्क और रिश्वत ही जीने का आधार बन गयी है। चोरबाजारी और काला धन ही वह मुक्ति मार्ग बन गया है, जिसका रास्ता झोपड़ी से बहुमंजिली इमारतों तक खुलता है। जरूरत इस रास्ते से छुटकारा पाने की है। यह खैरात संस्कृति के प्रसार से नहीं होगा। कार्य संस्कृति के नव जन्म से पैदा होगा। यह संस्कृति खेतों और खलिहानों से उपजेगी और आम आदमी की मेहनत से चलने वाले छोटे-छोटे लघु कुटीर उद्योग ही उसे वह समाधान देंगे।

महिलाओं को कितना लुभाएगी प्रियंका की मुहिम

क्षमा शर्मा

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि अगले साल उत्तर प्रदेश में होने वाले चुनाव में चालीस प्रतिशत टिकट महिलाओं को दिए जाएंगे। बैक ग्राउंड में लिखा था-लड़की हूं, लड़ सकती हूं। सुनने में नारा बहुत आकर्षित करता है। लड़कियों को संघर्ष और अपने अधिकारों के लिए लड़ने की प्रेरणा भी दे सकता है। जब से देश में शिक्षित, नौकरीपेशा मध्य वर्ग की महिलाओं की संख्या बढ़ी है, वे बड़ी संख्या में वोट देने लगी हैं। उनकी राय का मायने भी समझा जाने लगा है, तब से जैसे हर राजनीतिक दल उन्हें अपने पाले में खींचना चाहता है।

अतीत में जो लोग 33 प्रतिशत महिला रिजर्वेशन बिल का संसद में विरोध कर चुके हैं, कह चुके हैं कि अगर ऐसा हुआ तो परकटी आ जाएंगी, वे इस बिल में विभिन्न धर्मों और जातियों की महिलाओं को अलग से प्रतिनिधित्व देने की मांग कर चुके हैं, वे महिलाओं को भी जाति और धर्म के चश्मे से ही देखते हैं जबकि अनुभव कहता है कि जिस तरह गरीब का कोई जाति-धर्म नहीं होता, महिलाओं का भी नहीं होता लेकिन प्रियंका की इस घोषणा के बाद ऐसे ही एक दल के प्रवक्ता ने टीवी पर कहा कि वे तो हमेशा से ही इस बिल का समर्थन कर रहे थे, भाजपा और कांग्रेस ने ही इसे पास नहीं होने दिया। इन दिनों अपना ही बोला हुआ आज का सच, कल का झूठ हो सकता है। जिसने कल जो बात कही थी, आज वही उसे झुठला सकता है। इन दिनों हर बात पर महिलाओं का नाम जपने वाले महिलाओं के ये नए हितू, सचमुच उनके लिए क्या करेंगे या चुनाव के बाद सब भूल जाएंगे। आने वाले दिनों में जब कांग्रेस में टिकटों का बंटवारा होगा तो हो सकता है कि इसी दल के पुरुष अपने-अपने घर की महिलाओं के लिए टिकट की मांग करें, तब उनसे कैसे निपटा जाएगा। यदि उन्हें टिकट दिया गया तो सत्ता पुरुष से खिसक कर महिला के हाथ में आ जाएगी, मगर परिवार के पास ही रहेगी क्योंकि प्रियंका गांधी ने कहा भी है कि जिन महिलाओं को लोग जानते होंगे, जो अपने क्षेत्र में लोकप्रिय होंगी, पार्टी का टिकट उन्हें ही मिलेगा।

हम जानते ही हैं कि एक साधारण औरत को लोकप्रिय होने के कितने मौके मिलते हैं। अक्सर ही लोकप्रियता की सारी ताकत साधन सम्पन्नों के पास पहुंचती है। फिर मान लीजिए यदि तमाम पुराने नेताओं के परिवारों की महिलाओं को टिकट नहीं मिला तो क्या वे प्रियंका के खिलाफ मोर्चा नहीं खोल देंगे। जिसे टिकट नहीं मिलता है, वह फौरन पुराने दल को छोड़, टिकट मिलने की आस में नए दल में चला जाता है। आखिर प्रियंका भी ऐसे ही परिवार से आती हैं। क्या उनकी जगह कांग्रेस की कोई साधारण महिला ले सकती है। उसे यह पद मिल सकता है। इसके अलावा एक दिलचस्प बात यह भी है कि जब सोनिया गांधी ने कांग्रेस का अध्यक्ष पद छोड़ा था तो अध्यक्ष उनके सुपुत्र राहुल गांधी को ही बनाया गया था। तब तो प्रियंका राजनीति में इतनी एक्टिव नहीं थीं मगर पिछले दिनों कांग्रेस की जो मीटिंग हुई, उसमें कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी से बहुत से वरिष्ठ नेताओं ने राहुल गांधी को फिर से अध्यक्ष बनाने की मांग की। आखिर उन्होंने प्रियंका को अध्यक्ष बनाने की मांग क्यों नहीं की। वह भी तब जब मां सोनिया गांधी यानी कि एक महिला ही से यह मांग की जानी थी। यानी परिवार या दल की सत्ता में जब चुनो तब पुरुष को ही चुनो। प्रियंका की यह प्रतिज्ञा अच्छी है कि वे लड़कियों को एमपावर्ड करना चाहती हैं तो पहले यह बदलाव घर से ही शुरू क्यों नहीं किया जाता। उन्हें कुछ संकोच हो तो राहुल गांधी या सोनिया गांधी खुद उन्हें कांग्रेस का अध्यक्ष बनाने का निर्णय ले सकते हैं। या लड़कियों के प्रति इतनी संवेदना सिर्फ चुनाव जीतने का स्टंट भर है। वैसे भी पूरे देश में लड़कियों के प्रति तरह-तरह के अपराध होते हैं। एनसीआरबी के आंकड़े इसकी गवाही भी दे सकते हैं। मगर नेताओं को उन्हें उठाने की याद वहीं आती है, जहां विपक्षियों की सरकार हो और चुनाव होने वाले हों। इस तरह की रणनीति बनाने में कोई भी दल कम नहीं है। जब पत्रकारों ने प्रियंका से पूछा कि अन्य जिन राज्यों में चुनाव होंगे, क्या वहां भी कांग्रेस यही नीति अपनाएगी तो उन्होंने बहुत चतुराई से कहा कि वह उत्तर प्रदेश की इंचार्ज हैं। वहीं के बारे में बता सकती हैं। कई बार यह भी लगता है कि सरकारें अपने कामों का ढोल पीटने के लिए अरबों रुपए खर्च करती हैं। अगर सचमुच जमीनी स्तर पर काम हों तो लोग खुद उनका ढोल पीटते हैं, चर्चा करते हैं। और ऐसे नेताओं को बारंबार चुनते हैं।

दरअसल नेता अपनी गद्दी सुरक्षित करने, सत्ता प्राप्त करने के लिए तरह-तरह के नारे उछालते हैं, जो जनता के एक वर्ग को लुभाएं और वोटों से उनकी झोली भर दें लेकिन मीडिया का बड़ा वर्ग इस स्ट्रेटेजी को ही सही मान, ले उड़ता है और कभी इसे गेम चेंजर कहता है, कभी मास्टर स्ट्रोक। अजीब-सी बात यह है कि जिसे मास्टर स्ट्रोक कहा जाता है, कई बार वही चुनाव हरवा देता है। पिछले चुनावों में राहुल और अखिलेश ने मिलकर चुनाव लड़ा था । नारा था- लोगों को यह साथ पसंद है। उनके बारे में मीडिया में स्लोगन छाया हुआ था-यूपी के लड़के। इसे युवाओं को लुभाने का बहुत अच्छा नारा माना गया था। लड़कियों की बात यहां कहीं नहीं थी। लेकिन यह नारा काम नहीं आया। आने वाले चुनावों में देखना होगा कि जिसे प्रियंका का औरतों का दिल जीतने वाला नारा बताया जा रहा है, वह कितना कारगर होता है। औरतों को वह कितना लुभा पाती हैं।

टेस्टी और हेल्दी होती है

आयुर्वेदिक चाय और कॉफी

आयुर्वेदिक चाय और कॉफी दिल की बीमारियों, बुखार, ब्लड प्रेशर, ब्लड प्यूरिफिकेशन और किडनी की सेहत के लिए बेह्द फायदेमंद है। इतना ही नहीं, आयुर्वेदिक चाय और कॉफी अथरोसक्लेरोसिस और पार्किनसंस डिजीज का खतरा भी घटाती है और दिमाग को अलर्ट रखने में मदद करती है। हालांकि आयुर्वेदिक चाय और कॉफी से ये सारे फायदे केवल तभी लिए जा सकते हैं, जब इसे बिना मीठे और दूध के बनाया जाए और पिया जाए।

नॉर्मल चाय और कॉफी पीने के नुकसान

यह समझना जरूरी है कि नॉर्मल चाय और कॉफी दोनों ही हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर बढ़ा सकते हैं। जब हार्ट रेट बढ़ती है तो दिल में खून का फ्लो बढ़ जाता है और दिमाग में खून का फ्लो कम हो जाता है। इसके चलते चाय या कॉफी पीने के कुछ ही देर बाद आपको चक्कर आना, आखों के आगे अंधेरा और थकान महसूस हो सकती है। वहीं कैफीन शरीर में स्ट्रेस हॉर्मोन्स को बढ़ाने का काम करती है। इसके अलावा कैफीन से ब्लड शुगर बढ़ सकता है और ब्लड शुगर में आने वाला यह बदलाव डायबिटीज के मरीज के लिए घातक हो सकता है। कैफीन से शरीर में कैल्शियम की मात्रा भी कम होने लगती है।

हर्बल टी और कॉफी है फायदेमंद

आयुर्वेद के डॉक्टरों अनुसार हर्बल टी और कॉफी में कैफीन नहीं होता और यह दिल, दिमाग और खून से जुड़ी कई बीमारियों में राहत पहुंचाने का काम करती है। आयुर्वेदिक टी और कॉफी से स्किन एलर्जीस और नर्वस वीकनेस को भी ठीक किया जा सकता है। यहां हम आपको बताने जा रहे हैं आयुर्वेदिक टी और कॉफी की कुछ खास रेसिपीज...

आयुर्वेदिक चाय रेसिपी-1

सामग्री

- कासिया फ्लावर पाउडर-40 ग्राम
- बुटिया मोनोस्पर्मा फ्लावर पाउडर-40 ग्राम
- फ्राइड धनिया पाउडर-40 ग्राम
- सुगंधा जड़ पाउडर-40 ग्राम
- कॉटन सीड पाउडर-40 ग्राम
- इलाइची दाना पाउडर-30 ग्राम
- सूखी गुलाब कली पाउडर-30 ग्राम

बनाने का तरीका

इन सभी सामग्री को एक साथ मिला कर एक जार में रख लें। जब भी चाय पीनी हो तो 500 मिली लीटर पानी में एक चम्मच पाउडर को मिलाएं और इसे तब तक उबालें जब तक कि पानी सूख कर आधा यानी कि 250 मिली लीटर न रह जाए। अब इसमें मिठास के लिए गुड़ मिलाएं और गर्मा गरम पिएं। यह चाय दिन में दो बार पी जा सकती है। दिनभर कंप्यूटर पर काम करने वालों को यह चाय रिलीफदेने का काम करती है। इससे हार्ट की फंक्शनिंग बेहतर होती है और नींद न आने की समस्या से भी छुटकारा मिलता है।

आयुर्वेदिक कॉफी रेसिपी-1

सामग्री

- गिलोय पौधे का पाउडर-50 ग्राम
- नीम की छाल का पाउडर-50 ग्राम
- कृष्णा तुलसी पौधे का पाउडर-50 ग्राम
- सूखी काली मिर्च का पाउडर-25 ग्राम
- धनिया पाउडर-25 ग्राम
- अदरक पाउडर-10 ग्राम

ऐसे करें तैयार -सभी सामग्री को एक साथ मिला कर एक जार में भर लें।

ऐसे बनाएं

एक चम्मच पाउडर को 250 मिली लीटर पानी में डाल कर उबालें। इसे तब तक उबालें जब तक की पानी आधा न रह जाए। इसमें गुड़ डालकर गर्मा गरम पिएं। यह कॉफी दिन में दो बार पी जा सकती है। यह इम्यूनिटी बढ़ाती है और बुखार, बदहजमी, एलर्जी आदि से बचाती है। यह कॉफी बारिश और सर्दी के मौसम में ज्यादा गुणकारी होती है।

आयुर्वेदिक चाय रेसिपी-2

सामग्री

कृष्णा तुलसी पाउडर-100 ग्राम। इसके लिए पूरे पौधे का पाउडर या फिर इसके पत्तों का पाउडर बना सकते हैं। पेंटा पटेरा अर्जुन पेड़ की छाल का पाउडर-100 ग्राम

ऐसे करें तैयार

कृष्णा तुलसी के पौधे को जड़ समेत लें और इसे धो कर धूप में सुखा लें। इसके बाद इसे पीस लें और दोनों पाउडर को मिलाकर एक जार में रख लें।

ऐसे बनाएं चाय

एक चम्मच पाउडर को 500 मिली लीटर पानी में तब तक उबालें जब तक कि पानी आधा न रह जाए। मिठास के लिए गुड़ डाल सकते हैं। यह चाय दिन में दो बार पी सकते हैं, इससे ब्लड प्रेशर कंट्रोल किया जा सकता है।

आयुर्वेदिक कॉफी रेसिपी-2 कासिया ऑक्सिडेंटलिस या सेन्ना ऑक्सिडेंटलिस बीज ऐसे करें तैयार इन बीज को हल्का फ्राई कर पीस लें। इस पाउडर को जार में भर कर रख लें। इस कॉफी पाउडर से वैसे ही कॉफी बनाएं जैसे आम अन्य कॉफी पाउडर से दूध और चीनी डालकर कॉफी बनाते हैं। आप चाहें तो इसकी ब्लैक कॉफी भी बना कर पी सकते हैं। रोजाना सुबह यह कॉफी पीने से यूरीन संबंधी बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है।

कहानी — अवसर की पहचान

एक समय की बात है किसी गांव में एक साधु रहता था, वह भगवान का बहुत बड़ा भक्त था और निरंतर एक पेड़ के नीचे बैठ कर तपस्या किया करता था। उसका भागवान पर अटूट विश्वास था और गांव वाले भी उसकी इज्जत करते थे। एक बार गांव में बहुत भीषण बाढ़ आ गई। चारों तरफ पानी ही पानी दिखाई देने लगा, सभी लोग अपनी जान बचाने के लिए ऊंचे स्थानों की तरफ बढ़ने लगे। जब लोगों ने देखा कि साधु महाराज अभी भी पेड़ के नीचे बैठे भगवान का नाम जप रहे हैं तो उन्हें यह जगह छोड़ने की सलाह दी। पर साधु ने कहा- तुम लोग अपनी जान बचाओ मुझे तो मेरा भगवान बचाएगा! धीरे-धीरे पानी का स्तर बढ़ता गया, और पानी साधु के कमर तक आ पहुंचा, इतने में वहां से एक नाव गुजरी। मल्लाह ने कहा-हे साधू महराज आप इस नाव पर सवार हो जाइए मैं आपको सुरक्षित स्थान तक पहुंचा दूंगा। नहीं, मुझे तुम्हारी मदद की आवश्यकता नहीं है, मुझे तो मेरा भगवान बचाएगा!, साधु ने उत्तर दिया। नाव वाला चुप-चाप वहां से चला गया। कुछ देर बाद बाढ़ और प्रचंड हो गयी, साधु ने पेड़ पर चढ़ना उचित समझा और वहां बैठ कर ईश्वर को याद करने लगा। तभी अचानक उन्हें गड़गड़ाहट की आवाज सुनाई दी, एक हेलिकॉप्टर उनकी मदद के लिए आ पहुंचा, बचाव दल ने एक रस्सी लटकाई और साधु को उसे जोर से पकड़ने का आग्रह किया। पर साधु फिर बोला-मैं इसे नहीं पकडूंगा, मुझे तो मेरा भगवान बचाएगा। उनकी हठ के आगे बचाव दल भी उन्हें लिए बगैर वहां से चला गया। कुछ ही देर में पेड़ बाढ़ की धारा में बह गया और साधु की मृत्यु हो गयी। मरने के बाद साधु महराज स्वर्ग पहुचे और भगवान से बोले-हे प्रभु मैंने तुम्हारी पूरी लगन के साथ आराधना की, तपस्या की पर जब मैं पानी में डूब कर मर रहा था तब तुम मुझे बचाने नहीं आये, ऐसा क्यों प्रभु? भगवान बोले, हे साधु महात्मा मैं तुम्हारी रक्षा करने एक नहीं बल्कि तीन बार आया, पहला, ग्रामीणों के रूप में, दूसरा नाव वाले के रूप में और तीसरा, हेलीकाप्टर बचाव दल के रूप में। किन्तु तुम मेरे इन अवसरों को पहचान नहीं पाए।

शिक्षा- मित्रों, इस जीवन में ईश्वर हमें कई अवसर देता है, इन अवसरों की प्रकृति कुछ ऐसी होती है कि वे हमारे सामने से गुजरते हैं, यदि हम उन्हें पहचान कर उनका लाभ उठा लेते हैं तो वे हमें हमारी मंजिल तक पंहुचा देते हैं, अन्यथा हमें बाद में पछताना ही पड़ता है।

हंसना मना है

एक दुकान के बाहर बोर्ड पर लिखा था- हमारे यहां शादी की हर वस्तु हमेशा तैयार मिलती हैं। इसे पढ़कर एक व्यक्ति उस दुकान में पहुंचा।
दुकानदार-(व्यक्ति से) क्या दिखाऊं? सूट का कपड़ा, जूते या सेहरा?
व्यक्ति (दुकानदार से बोला)-अजी, यह सब तो बाद की चीजें हैं, पहले दुल्हन तो दिखाइए।

शादी के तीसरे दिन पत्नी ने अपने निखट्टू पति से मन की इच्छा जाहिर की, मैंने बीए पास किया है, अगर नौकरी करूं तो आपको एतराज होगा?
पति-तुम भी कमाल करती हो, इसी उम्मीद पर तो मैंने तुमसे शादी की है।

पत्नी (पति से)-तुम कोई बात नहीं सुनते। एक कान से सुनते हो, दूसरे कान से निकाल देते हो।
पति-और तुम दोनों कानों से सुनती हो और उसे मुंह से निकाल देती हो।

बच्चा दुकानदार से-खटमल मारने की दवा है?
दूकानदार-हां, है। बच्चा-तब ठीक है, मैं घर से सारे खटमल लेकर अभी आता हूं।

10 अंतर खोजें

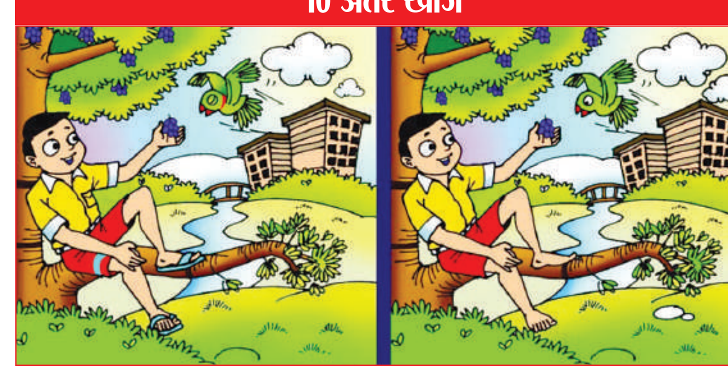

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यस्तता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृषभ बुरी सूचना मिल सकती है। परिश्रम अधिक होगा। लाभ के अवसर टलेंगे। विवाद न करें। कष्ट संभव है।

मिथुन लेन-देन में सावधानी रखें। मेहनत का फल मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

कर्क उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। सम्मान मिलेगा। चिंता रहेगी। विवाद न करें।

सिंह कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्ययवृद्धि होगी। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है।

कन्या रुका हुआ धन प्राप्त होगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। लाभ होगा।

तुला कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। योजना फलीभूत होगी। सम्मान मिलेगा। कुबुद्धि हावी रहेगी।

वृश्चिक पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी।

धनु प्रकरण सुलझ सकते हैं, प्रयास करें। राजकीय सहयोग मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मकर संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। लाभ होगा।

कुम्भ निर्माण कार्यों में भी खर्चा होने की भी संभावना बन रही है। कामकाज में सावधानी रखनी होगी।

मीन अच्छी खबर मिलने के योग बन रहे हैं। वेतनवृद्धि या प्रमोशन का इशारा भी मिल सकता है।

पर्यावरण | प्रतियोगिता

अमोद अरण्य शॉर्ट फिल्म ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

लखनऊ के विकास यादव द्वारा रिस्टोरिंग एंड प्रोटेक्टिंग लैंड थीम पर बनाई गई शॉर्ट फिल्म अमोद अरण्य ने विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में अव्वल स्थान प्राप्त किया है, जिसका प्रदर्शन ग्लासगो (स्कॉटलैंड) में आयोजित COP26 जैसे कार्यक्रम में किया गया। यह प्रतियोगिता यूएन की संस्था अर्थबीट की ओर से आयोजित की गई थी। पर्यावरण पर आधारित इस प्रतियोगिता में दुनिया भर के 31 देशों से 70 फिल्मों का चयन हुआ था, जिसमें से विकास को पहला स्थान प्राप्त हुआ है। विकास ने इस फिल्म को छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में फिल्माया है। इसमें नंदिनी नाम की एक लड़की की कहानी है, जिसने अपने पिता के साथ मिलकर एक स्थान पर वृक्षारोपण कर उसे विशाल जंगल में तब्दील कर दिया है जिसे अमोद अरण्य का नाम दिया गया है। इसके पहले भी विकास ने COP24 में ग्लोबल यूथ वीडियो कंपटीशन में पहला स्थान प्राप्त किया था और पोलैंड के कीव शहर जाकर भारत का प्रतिनिधित्व किया था। विकास और नंदिनी अपने-अपने क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लगातार कई सालों से काम कर रहे हैं। विकास बताते हैं कि उनका सपना हर शहर में एक ऐसा वन विकसित करने का है जिसे लंग ऑफ द सिटी कहा जा सके।

» **विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में लखनऊ के विकास यादव की फिल्म रही अव्वल**

» **स्कॉटलैंड में यूएन की संस्था अर्थबीट ने आयोजित की थी प्रतियोगिता**

अक्षय-कैटरीना की 'सूर्यवंशी' का जलवा बरकरार

तीसरे दिन की कमाई ने तोड़ा रिकॉर्ड

बॉलीवुड मसाला

अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ की मोस्ट अवेटेड फिल्म सूर्यवंशी रिलीज हो चुकी है। फिल्म हिट साबित हुई है। रिलीज होने के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर सूर्यवंशी ने ताबड़तोड़ कमाई की। पहले दिन सूर्यवंशी ने लगभग 26 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं दूसरे दिन के अंदर फिल्म कमाई के मामले में 50 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई। बात करें तीसरे दिन की तो अनुमान लगाया जा रहा है कि आज भी फिल्म 25 से 28 करोड़ का बिजनेस कर सकती है। गौरतलब है कि लगभग 2 सालों तक कोरोना महामारी की वजह से लगी हुई पाबंदियों की वजह से फिल्म रिलीज होने का इंतजार कर रही थी। रोहित शेट्टी की फिल्म को आखिरकार थिएटरों में रिलीज होने का जबरदस्त फायदा मिलता हुआ दिख रहा है। अक्षय कुमार की सूर्यवंशी को देशभर में 4000 से भी ज्यादा स्क्रीन पर रिलीज किया गया है। वहीं दुनियाभर में यह फिल्म 5200 स्क्रीन पर रिलीज की गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक महाराष्ट्र के साथ हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों में अभी थिएटरों पर लगी हुई कुछ पाबंदियों की वजह से फिल्म का कलेक्शन कम रह गया है। बॉक्स ऑफिस पर सूर्यवंशी के प्रदर्शन को देखते हुए यह कहा जा रहा है कि सूर्यवंशी इंडस्ट्री को महामारी से पहले वाली स्थिति में लगभग 80 फीसदी तक लाने में कामयाब हो गई है। सूर्यवंशी में मुख्य भूमिकाओं में अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ नजर आ रही हैं। साथ ही अजय देवगन और रणवीर सिंह फिल्म में कैमियो करते हुए दिखे हैं।

बिग बॉस 12 की सबा खान को डेट कर रहे हैं उमर रियाज!

आसिम रियाज के भाई उमर रियाज इन दिनों बिग बॉस 15 में अपने खेल और रणनीति से काफी सुर्खियां बटोर रहे हैं। उमर रियाज इस हफ्ते बिग बॉस 15 के घर के कैप्टन बने हैं। इन सबके बीच शो के बाहर उनकी निजी जिंदगी को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। उमर रियाज को लेकर खबर है कि वह बिग बॉस की एक्स कंटेस्टेंट सबा खान को डेट कर रहे हैं। सबा खान बिग बॉस के सीजन 12 का हिस्सा रही थीं। शो में उन्होंने अपनी बहन सोमी अली के साथ एंट्री ली थी। वहीं उमर भले इन दिनों बिग बॉस 15 का हिस्सा हों, लेकिन पेशे से वह एक डॉक्टर हैं। एक खबर के अनुसार सबा खान और उमर रियाज एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। उमर और सबा एक-दूसरे को तब से जानते हैं जब आसिम बिग बॉस 13 में कंटेस्टेंट थे। इसके बाद सबा खान और उमर रियाज ने गुनाह कर दे गाने में साथ काम किया, जहां यह दोनों एक-दूसरे को और अच्छे से जानने लगे।

अजब-गजब | वैज्ञानिक भी इस नदी के रहस्यों को सुलझा नहीं पाए

नदी में बहता है खौलता पानी, जिसने भी की इसमें घुसने की गलती, हो गई उसकी मौत

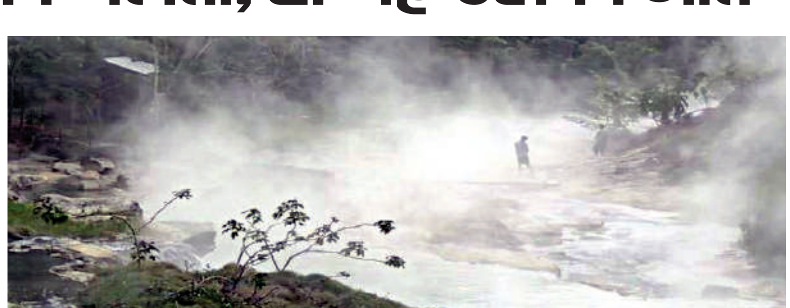

हमारी पृथ्वी पर ऐसे लाखों रहस्य हैं जिनके बारे में इंसान आज तक नहीं जान पाया। आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे जानकर यकीनन आप भी हैरान रह जाएंगे। ये रहस्य एक नदी से जुड़ा हुआ है, जिसका पानी हमेशा गर्म रहता है। यही नहीं, नदी का पानी इतना गर्म होता है कि अगर इसमें कोई गलती से भी गिर जाए तो उसकी मौत निश्चित है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं द बॉयलिंग रिवर के बारे में, जिसका पानी हमेशा खौलता रहता है। यह रहस्यमयी नदी अपने आप में कई रहस्य छुपाई हुई है। वैज्ञानिक भी इस नदी के रहस्यों को सुलझा नहीं पाए।

बता दें कि इस नदी के अनसुलझे रहस्यों को सुलझाने के लिए वैज्ञानिकों का शोध अभी भी जारी है। ऐसा माना जा रहा है कि जल्द ही वैज्ञानिक द बॉयलिंग रिवर के रहस्य को सुलझा लेंगे कि आखिर इस नदी का पानी खौलता हुआ क्यों है। यह नदी साउथ अमेरिका के पेरू में मौजूद है जो 24 घंटे उबलती रहती है। यह नदी करीब 7 किलोमीटर लंबी है। एक पॉइंट तक ये नदी 80 फीट तक चौड़ी हो जाती है तो एक जगह इसकी गहराई 16 फीट तक है। सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात ये है कि इस नदी के आसपास कोई ज्वालामुखी भी नहीं है। बावजूद इसके इस नदी का पानी हमेशा खौलता रहता है। ये प्राकृतिक रूप से गर्म नदी है इसलिए वैज्ञानिक इसे दुनिया की सबसे बड़ी थर्मल नदी मानते हैं। बता दें कि इस नदी की खोज भूवैज्ञानिक आंद्रे रूजो ने साल 2011 में की थी। अमेजन फॉरेस्ट का एक हिस्सा पेरू से लगा हुआ है, इसी पेरू में यह रहस्यमय नदी यानी द बॉयलिंग रिवर स्थित है। पेरू दक्षिण अमेरिका महाद्वीप का एक देश है। अगर अमेजन फॉरेस्ट की बात करें, तो पेरू में इसका 13 फीसदी हिस्सा आता है। इसी में द बॉयलिंग रिवर स्थित है। टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेजन के जंगलों के बीच इस नदी में सॉल्ट रिवर और हॉट रिवर नाम की दो नदियां मिलती हैं। जो लंबाई में बॉइलिंग रिवर से काफी छोटी हैं। नास डेली नामक यूट्यूब चैनल के अनुसार इस पानी का तापमान 90 डिग्री सेंटीग्रेड से भी ज्यादा पहुंच जाता है। हैरान करने वाली बात ये भी है कि खौलते पानी के कारण इसमें जो भी जानवर गिरता है उसकी मौत हो जाती है। इंसानों के लिए भी इसमें चलना मुश्किल है क्योंकि गर्म पानी से पैर में छाले पड़ जाते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक ये पानी हॉट स्प्रिंग है।

मालिक की कब्र से हटने को नहीं तैयार है वफादार कुत्ता

कुत्तों की वफादारी के किस्से अगर कहे जाते हैं, तो उसकी वजह उनका अपने मालिकों के लिए प्यार और अपनी जान दांव पर लगा देने का जज्बा है। इस वक्त एक ऐसा ही पेट डॉग फेरो चर्चा में है। ये डॉग अपने मालिक के साथ 11 साल से रह रहा था। ऐसे में जब उसके मालिक की मौत हो गई, तो कुत्ता उनकी कब्र को छोड़कर जाने के लिए तैयार ही नहीं है। जर्मन शेफर्ड प्रजाति का कुत्ता फेरो पिछले 1 हफ्ते से अपने मालिक की कब्र के पास जमकर बैठा हुआ है। उसे इस बात का यकीन ही नहीं है कि उसके मालिक की मौत हो चुकी है और अब वे कभी भी लौटकर नहीं आएंगे। फेरो के मालिक ओमर गुवेन ने उसे करीब 11 साल से अपने पास पाल रखा था। कुत्ते के मालिक ओमर तुर्की के ट्राबजॉन प्रांत में रहते थे। उन्होंने अपनी पत्नी की मौत के बाद 11 साल पहले फेरो को अपने पास रख लिया था। Olay53 न्यूज साइट के मुताबिक वे कुत्तों और बिल्लियों का काफी ध्यान रखते थे और जानवरों से उन्हें खूब प्यार था। उन्हें सोसायटी में जानवरों के प्रेमी के तौर पर काफी सम्मान मिलता था। उन्होंने जब फेरो को पाला था, तब वो छोटा पपी था। वक्त के साथ-साथ दोनों के बीच प्यार और लगाव भी बढ़ता गया। 29 अक्टूबर को 92 साल के ओमर को कुछ तकलीफ हुई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया. जब उनकी मौत हुई तो उनका पालतू कुत्ता फेरो ओमर के कॉफिन को देखता रहा। उसने कब्रिस्तान में शव दफन करते वक्त भी उनका साथ नहीं छोड़ा। जब सारे लोग वहां से चले गए, तब भी फेरो वहीं कब्र पर लेटा हुआ अपने मालिक को याद करता रहा। ओमर के घरवालों का कहना है कि वे फेरो को सबसे ज्यादा प्यार करते थे, यही वजह है कि फेरो उनके जाने के गम को बर्दाश्त नहीं कर पा रहा।

बच्चों के यूनिफार्म की होगी निगरानी अभिभावकों को खरीदारी का जिम्मा

» खाते में भेजे जा रहे हैं रुपये, शिक्षा विभाग करेगा जांच
» गुणवत्ता पर सवाल उठने के बाद लिया गया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद व सहायता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले एक करोड़ बीस लाख छात्र-छात्राओं के अभिभावकों के बैंक खाते में 1100 रुपये की धनराशि भेजी जा चुकी है। शेष को धन भेजे जाने की प्रक्रिया चल रही है। अभिभावक इस धन से बच्चों के लिए यूनीफार्म, स्कूल बैग, जूते-मोजे व स्वेटर खरीद सकेंगे। विभाग हर जिले में बच्चों को मिलने वाली सामग्री की निगरानी करेगा।

उत्तर प्रदेश सरकार ने पहली बार प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को मुफ्त दी जाने वाली सामग्री खरीदने का जिम्मा अभिभावकों को सौंपा है। इससे उन्हें समय पर सारी सामग्री मिलेगी और उसकी गुणवत्ता पर सवाल भी नहीं उठेगा। पिछले वर्षों में स्वेटर आपूर्ति में देरी व जूते-मोजे व बैग आदि की गुणवत्ता सही नहीं मिली थी। महानिदेशक स्कूल शिक्षा अनामिका सिंह ने बताया कि जिन बच्चों के अभिभावकों के खाते में धन पहुंच गया है वे तत्परता से संबंधित सामग्री खरीद करके बच्चों को स्कूल भेजे। उन्होंने बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे इसमें ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सदस्य व अन्य के साथ शिक्षा समिति की बैठक करके उन्हें सामग्री खरीदने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि विद्यालय के शिक्षक की ओर से अपलोड डेटा की प्रधानाध्यापक, खंड शिक्षा अधिकारी व बेसिक शिक्षा अधिकारी पड़ताल करके भेजते हैं, तब मुख्यालय से संबंधित के खाते में धन भेजने का निर्देश बैंक को भेजा जा रहा है। यह कार्य इसी सप्ताह पूरा कर लिया जाएगा। बच्चे यूनीफार्म व स्कूल बैग आदि लेकर आ रहे हैं या नहीं इसकी जिलों में निगरानी होगी।

छठ पर्व पर यूपी में रहेगा अवकाश, डीएम करेंगे घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने छठ महापर्व पर प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। सीएम योगी ने कहा कि जिन जिलों में छठ का पर्व बड़े स्तर पर मनाया जाता है, वहां के जिलाधिकारी स्थानीय स्तर पर अवकाश घोषित कर सकते हैं। साथ ही यह निर्देश भी दिया कि कार्तिक महीने में जिन जिलों में बड़े मेले आयोजित किए जाते हैं वहां भी जिलाधिकारी छुट्टी कर सकते हैं। उन्होंने इन पर्वों और मेलों के दौरान लोगों को कोविड प्रोटोकाल का लिए जागरूक करने पर भी जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 व 11 नवंबर को छठ का पर्व है। छठ के अवसर पर पूर्वी उत्तर प्रदेश सहित गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, लखनऊ आदि महानगरों में नदियों, सरोवरों आदि पर भीड़भाड़ की संभावना रहती है। छठ पर्व पर नदियों, तालाबों आदि के तटों पर साफ-सफाई तथा सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की जाए। राज्य सरकार ने छठ पर्व को निर्बन्धित अवकाश की श्रेणी में पहले से ही रखा है। प्रदेश के ज्यादातर जिलों में छठ पर्व मनाये जाने के कारण माना जा रहा है कि लगभग सभी जिलों में 10 नवंबर को अवकाश रहेगा।

पंजाब कांग्रेस में नहीं थमा घमासान, चन्नी-सिद्धू में ठनी

» कई नियुक्तियों पर खफा सिद्धू छोड़कर चले गए बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में विधान सभा चुनाव से कुछ महीने पहले कांग्रेस के भीतर मचा घमासान खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। सोमवार को पंजाब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू और सीएम चरणजीत सिंह चन्नी के बीच तनावपूर्ण स्थिति में बैठक हुई। सिद्धू कई नियुक्तियों पर मौजूदा राज्य सरकार के फैसले से खफा हैं। इस बैठक में राज्य प्रभारी हरीश चौधरी भी मौजूद थे। हालांकि बैठक में दोनों नेताओं के बीच तनाव इतना बढ़ गया कि सिद्धू बैठक छोड़कर ही चले आए।

बैठक के दौरान सिद्धू ने ए पी एस देओल और इकबाल प्रीत सिंह सहोता की क्रमशः राज्य के महाधिवक्ता और कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के रूप में नियुक्ति का मुद्दा उठाया था। इस पर चन्नी ने कहा कि आखिरी फैसले से पहले किसी अधिकारी को हटाया नहीं जाएगा, इसी बात पर सिद्धू नाराज हो गए। वह तुरंत बैठक से बाहर आ गए। इसके बाद चन्नी भी गुस्सा सातवें आसमान पर चढ़ गया। उन्हें मनाने में राज्य प्रभारी को काफी मशक्कत करनी पड़ी। बता दें यह बैठक कोटकपूरा पुलिस फायरिंग की 2015 की घटना की जांच की स्थिति को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सिद्धू द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाने और राज्य में अपनी ही पार्टी की सरकार पर सवाल उठाने के कुछ ही घंटों बाद हुई।

कोरोना योद्धाओं के स्वागत में उमड़ा जनसमूह

» की गई पुष्प वर्षा, शहीद चौक पर दीपदान
» स्वागत देख भाव विभोर हुईं कोरोना योद्धा वर्षा वर्मा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। कोरोना योद्धाओं के सम्मान समारोह के पहले शहर के सुपर मार्केट से शोभा यात्रा निकाली गई। कोरोना योद्धाओं के सम्मान में पूरा शहर उमड़ पड़ा। योद्धाओं को फूल मालाओं से लाद दिया गया। पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने देश भर से आए कोरोना योद्धाओं के काम की तारीफ करते हुए कहा कि संकट से उबारने में इनकी अहम भूमिका रही।

शोभायात्रा शुरू होने के पहले पीएससी बैंड ने राष्ट्रीय धुन बजाई। एनसीसी और स्काउट गाइड ने योद्धाओं को सलामी दी। गुरु तेग बहादुर मार्केट व्यापार मंडल, सुपर मार्केट से सभागार तक योद्धाओं का जगह-जगह फूल मालाओं से स्वागत किया गया। कोरोना योद्धाओं पर पुष्प वर्षा हुई। योद्धाओं ने शहीद चौक पर शहीदों की याद में दीपदान भी किया।

लखनऊ की कोरोना योद्धा वर्षा वर्मा ने कहा कि जब अनजान शहर में आपको इतना प्यार मिले तो आपकी आंखें नम होना स्वाभाविक है। जब रायबरेली के सड़कों और चौराहों पर होल्डिंग लगी तो मन खुश हुआ परंतु जब स्वयं रायबरेली जाकर वहां की जनता का अपने कार्य के प्रति अपनी सेवा के प्रति लोगों का प्यार देखा तो आंखें भर आई। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन में संक्रमित शवों का अंतिम संस्कार कराकर सम्मान से अंतिम विदाई के लिए एक कोशिश ऐसी भी अभियान चलाया गया। एंबुलेंस की मुफ्त सेवा उपलब्ध कराई गई। भव्य और सफल आयोजन के लिए मैं गौरव जी और उनकी टीम और उनकी संस्था को शुभकामनाएं देती हूं।

ये हुए सम्मानित

हरजीत सिंह गिल को प्रभाष जोशी स्मृति सम्मान, महाराष्ट्र के कोरोना योद्धा राहुल तिवरेकर को डॉक्टर राम मनोहर त्रिपाठी लोक सेवा सम्मान, मथनमी हुंग्यो को शिवानंद मिश्र लाले सम्मान और अजय राय को सरिता द्विवेदी स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया।

फोटो :4 पीएम

पपेट शो लखनऊ। संगीत नाटक अकादमी के संत गाडगे सभागार में पपेट शो का मंचन किया गया। इस मौके पर लोक गायिका मालिनी अवस्थी व अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

तो लखीमपुर कांड पर केंद्रीय मंत्री के साथ खड़ी है सरकार!

» सुप्रीम कोर्ट की फटकार का भी नहीं पड़ रहा असर
» घटना की नहीं हो रही ठीक से जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर कांड को लेकर भाजपा की देशभर में फजीहत हुई लेकिन सरकार के रवैए से साफ है कि वह अपने केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के साथ खड़ी है, भले ही लखीमपुर हिंसा में टेनी का बेटा मुख्य आरोपी है और फिलहाल जेल में बंद है। आज फिर सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगायी और कहा कि दस दिन बाद पेश की गई रिपोर्ट में कोई नई बात नहीं है लेकिन कोर्ट की फटकार का सरकार पर असर पड़ता नहीं दिख रहा है। इस मुद्दे पर कई सवाल उठे अधिवक्ता प्रियंका कक्कड़, वरिष्ठ पत्रकार शीतल पी सिंह, दीपक शर्मा, उमाकांत लखेड़ा, ममता त्रिपाठी और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

ममता त्रिपाठी ने कहा, भाजपा सरकार की कार्यशैली सबके सामने हैं। सुप्रीम की सख्त टिप्पणी के बाद भी सरकार लापरवाही कर रही है। चुनाव के पहले एक मंत्री पुत्र को बचाने के लिए ऐसा करना सरकार के लिए ठीक नहीं है। उमाकांत लखेड़ा ने कहा, भाजपा के पास सारे तीर खत्म हो चुके हैं। आम आदमी के मुद्दे अपनी जगह हैं। पद की मान-मर्यादा का ध्यान रखे बिना भाजपा के नेता और मंत्री बयान दे रहे हैं। ध्रुवीकरण करने की कोशिश की जा रही है। आपकी सरकार ने क्या किया यह बताइए। लखीमपुर कांड पर सुप्रीम कोर्ट अंकुश का काम कर रही है। प्रियंका कक्कड़ ने कहा, सुप्रीम कोर्ट की सख्ती का असर पड़ा है। अब सरकार को सही जांच करनी ही होगी।

शीतल पी सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट इनकी जुडीशियल जांच को भी नकली मान रहा है इसलिए वह पूर्व हाईकोर्ट के जज से निगरानी कराने की बात कर रहा है। इससे बड़ी सख्ती और क्या होगी। खुद प्रदेश के मुख्यमंत्री ने अपने ऊपर मुकदमे वापस ले लिए हैं। अब वे फिर वहीं काम कर रहे हैं। सांप्रदायिक विभाजन फैलाने की कोशिश की जा रही है। दीपक शर्मा ने कहा, लखीमपुर हिंसा पुलिस के सामने हुई। इसे रोका जा सकता था अगर अधिकारियों ने खुफिया रिपोर्ट का संज्ञान लिया होता। यह सब इसलिए हुआ क्योंकि भाजपा में खेमेबाजी है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

प्रयागराज में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष को बदमाशों ने गोली मारी, हालत नाजुक

» भाजपा किसान मोर्चा गंगापार के जिला उपाध्यक्ष है अजय शर्मा

» एसएसपी ने आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी का दिया आश्वासन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रयागराज के फाफामऊ थाना क्षेत्र में भाजपा किसान मोर्चा गंगापार के जिला उपाध्यक्ष अजय शर्मा को गोली मार दी गई। बदमाशों ने कल देर रात में वारदात को अंजाम दिया। गंभीर अवस्था में भाजपा नेता को स्वरूपरानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर शहर के निजी अस्पताल में उनका इलाज हो रहा है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गोली पेट व कंधे पर लगी है। उन्हें पांच गोली मारी गई है। फिलहाल जानलेवा हमला करने वालों की तलाश की जा रही है। भाजपा किसान मोर्चा गंगापार के जिला उपाध्यक्ष अजय शर्मा को गोली मारने के बाद पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर आईजी राकेश सिंह और डीआईजी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने पहुंच कर जायजा लिया। एसएसपी ने जल्द से जल्द आरोपितों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार फाफामऊ थाना क्षेत्र के लेहरा गांव में भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अजय शर्मा पुत्र राजकुमार शर्मा परिवार के साथ रहते हैं। बताते हैं कि 35 वर्षीय अजय सोमवार रात में घर से किसी काम से बाहर गए थे। रास्ते में अज्ञात आधा दर्जन बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। अपने को बदमाशों से घिरा देख अजय शर्मा बचने के लिए भागने लगे। बदमाशों ने इस बीच उन पर पांच राउंड फायरिंग की। इस दौरान उन्हें पांच गोली लगी है। गोली पेट व कंधे में लगी है। फायरिंग की आवाज ओर भाजपा किसान मोर्चा के नेता अजय की चीख सुनकर ग्रामीण उस तरफ भागे। ग्रामीणों को अपनी ओर आता देख बदमाश कई राउंड फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गए। अजय के परिवार के सदस्यों व ग्रामीण पुलिस को सूचना देकर तत्काल गंभीर अवस्था में उन्हें शहर स्थित स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल ले गए। वहां अजय की हालत नाजुक देख स्वजनों ने शहर के आनंद नर्सिंग होम में भर्ती कराया है। स्वजनों का कहना है कि अजय शर्मा को आधा दर्जन के करीब पेट और गर्दन के पास गोली लगी है। उधर भाजपा नेता को गोली लगने की खबर से अहत कार्यकर्ताओं ने शहर के कानून व्यवस्था की आलोचना की।

कार और बाइक पर सवार होकर आए थे हमलावर

घटना के बाद से गांव में दहशत व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि हमलावर कार और बाइक से आए थे। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल के बाद परिवार के लोगों व ग्रामीणों से पूछताछ किया। इंस्पेक्टर फाफामऊ रामकेवल पटेल का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है। अभी तक पीड़ित पक्ष की ओर से तहरीर नहीं मिली है। गंभीर घायल अजय प्रापर्टी का भी काम करते थे।

समाज कल्याण विभाग के निदेशक के भाई पर हमला, लखनऊ में मौत

प्रतापगढ़। संगमनगरी प्रयागराज से सटे प्रतापगढ़ जिले में अपराध की गतिविधियों पर अंकुश नहीं लग पा पा रहा है। एक हफ्ते में कई जगह पर मिलावटी शराब मिलने के बाद समाज कल्याण विभाग के निदेशक के भाई अश्विनी कुमार शुक्ला (55 वर्ष) पर एक व्यक्ति ने लाठी से हमला कर दिया। हालत गंभीर होने पर उनको लखनऊ रेफर किया गया, जहां पर किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के ट्रामा सेंटर में उन्होंने देर रात में दम तोड़ दिया। प्रतापगढ़ के महेशगंज थाना अंतर्गत पूरे हरकेश गांव में कल समाज कल्याण निदेशक राकेश शुक्ला के भाई अश्वनी को एक शख्स से उधार का पैसा वापस मांगने पर लाठी मार कर घायल कर दिया गया। लखनऊ स्थित ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस प्रकरण में आरोपित हृदयलाल उर्फ दुम्मा को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। सीओ सदर पवन त्रिवेदी ने कहा कि मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

एमपी के बीजेपी प्रभारी राव बोले-मेरी एक जेब में ब्राह्मण, एक में बनिया है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» पूर्व सीएम कमलनाथ ने बीजेपी को घेरा उठाए सवाल

भोपाल। बीजेपी के मध्य प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव के बयान पर विवाद खड़ा हो गया है। मुरलीधर राव ने कहा कि ब्राह्मण और बनिया उनकी जेब में है। उनसे सवाल हुआ था कि क्या बीजेपी जाति के आधार पर वोट मांग रही है? कल एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुरलीधर राव ने कहा मेरी एक जेब में ब्राह्मण और एक में बनिया है। जब ब्राह्मण कार्यकर्ता थे तो इसे ब्राह्मणों की पार्टी कहा जाता था। जब बनिया कार्यकर्ता थे तो इसे बनियों की पार्टी कहा जाता था।

बीजेपी सभी की पार्टी है। ब्राह्मण और बनियों को लेकर दिए उनके इस बयान पर विवाद छिड़ गया है। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता कमलनाथ ने इसे ब्राह्मण और बनियों का अपमान बताया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि जो लोग सबका साथ-सबका विकास का नारा देते हैं, वो आज एक वर्ग को फोकस करने की बात कर रहे हैं और दो वर्गों का खुलेआम अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता की हवस के लिए भाजपा किसी भी हद तक जा सकती है। कमलनाथ ने अपने अगले ट्वीट में कहा कि जिस वर्ग ने भाजपा को खड़ा करने में अपनी भूमिका निभाई, उन वर्गों का ये कैसा सम्मान? भाजपा के नेता सत्ता के नशे और अहंकार में डूब गए हैं। ये पूरे ब्राह्मण और बनिया वर्ग का अपमान है। उन्होंने कहा कि भाजपा के मुताबिक ये वर्ग उनकी बपौती है और उनकी जेब में हैं।

इंटरनेट मीडिया पर खुफिया तंत्र की नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शासन ने की खास तैयारी

मीनीटरिंग सेंटर की होगी स्थापना

लखनऊ। विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश में इंटरनेट मीडिया पर पुलिस की और पैनी नजर होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अभिसूचना तंत्र को और मजबूत बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया गया है, जिससे इंटेलीजेंस मुख्यालय में जल्द इंटरनेट मीडिया मानीटरिंग सेंटर की स्थापना का रास्ता साफ हो गया है। शासन ने एनआईएसजी (नेशनल इंस्टीट्यूट आफ स्मार्ट गर्वमेंट) को इस परियोजना के लिए कार्यदायी संस्था के रूप में चुना है।

अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि शासन ने अभिसूचना मुख्यालय के तहत इंटरनेट मीडिया मानीटरिंग सेंटर की स्थापना को मंजूरी दी है। इस कार्य के लिए न्यूज एक्सट्रेक्टर साफ्टवेयर व डाटाबेस्ड एनालिटिक्स सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जाएगा। प्रबंधन सेवा के तहत परामर्शदाता व कार्यदायी संस्था के रूप में एनआईएसजी को चुना गया है। एनआईएसजी भारत सरकार द्वारा सृजित गैर लाभकारी संस्था है, जो भारत सरकार तथा प्रदेश सरकारों के विभिन्न विभागों में स्मार्ट गवर्नमेंट में सहयोग प्रदान कर रही है। अवस्थी का कहना है कि सेंटर की स्थापना से अभिसूचना विभाग के स्वीकृत प्रस्तावों के क्रियान्वयन के खर्चों में बचत होगी। वर्तमान में डीजीपी मुख्यालय में इंटरनेट मीडिया मानीटरिंग सेल काम कर रहा है। अब इंटेलीजेंस मुख्यालय से पैनी नजर रखने के साथ ही ऐसे मामलों में कार्रवाई किया जाना संभव होगा।

25 नवंबर को कानपुर आएंगे राष्ट्रपति

» एचबीटीयू के शताब्दी वर्ष समारोह में एक घंटा रहेंगे रामनाथ कोविंद, जारी करेंगे डाक टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय (एचबीटीयू) का शताब्दी वर्ष समारोह 25 नवंबर को आयोजित होगा। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द आएंगे। राष्ट्रपति विश्वविद्यालय परिसर में एक घंटा तक रहेंगे। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अफसरों के पास राष्ट्रपति भवन से उनका कार्यक्रम आ गया है। कुलपति प्रो. समशेर ने बताया कि राष्ट्रपति एचबीटीयू में सुबह 11 बजे से 12 बजे तक रहेंगे। वह सबसे पहले एचबीटीयू का डाक टिकट जारी करेंगे। इसके बाद विश्वविद्यालय में बने शताब्दी द्वार, शताब्दी स्तंभ समेत कई अन्य नवनिर्मित भवनों का लोकार्पण करेंगे। शताब्दी वर्ष समारोह को संबोधित भी करेंगे। कुलपति ने बताया कि विवि में यह आयोजन दो दिन तक चलेगा। इस दौरान देश-विदेश से कई पूर्व छात्र भी शामिल होंगे। हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय (एचबीटीयू) के कुलपति प्रो. समशेर को बुंदेलखंड विवि झांसी में कुलपति का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। यह जानकारी कुलपति प्रो. समशेर ने दी। उन्होंने बताया कि वह बुंदेलखंड विवि में सभी अधीनस्थ अफसरों, शिक्षकों व कर्मियों संग बैठक करेंगे। बताया कि विश्वविद्यालय की समस्याओं का प्राथमिकता पर समाधान कराएंगे। साथ ही छात्रहित को लेकर क्या कदम उठाए जा सकते हैं, इस पर भी सभी से बात करेंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, स्थानीय संपादक - सूर्यकांत त्रिपाठी*, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।